शिवबाबा याद है? 24-3-16 ओम् शान्ति मधुबन

# होली के पावन पर्व की हार्दिक शुभ बधाईयां (दादी गुल्जार)

**आज** चारों तरफ होली मना रहे हैं, होली का अर्थ क्या है? होली अर्थात् पवित्र। तो चारों ओर अब पवित्रता की लहर फैलानी है। छोटा बड़ा हर एक होली, होली तो कह रहा है क्योंकि होली माना एक तो जो हो ली वो हो गई, बीती सो बीती। तो बाबा हम बच्चों को कह रहा है बच्चे होली, जो भी कुछ किया, वह होली अर्थात् बीती सो बीती। वैसे भी जो सारे दिन में, मास में, पूरे वर्ष में जो कुछ किया वो बीता सो बीता। उसमें भी जो आपने अच्छे कर्म किये उसका यादगार रखेंगे। तो कॉमन रीति से हम जो होली शब्द बोलते हैं उसका अर्थ है जो कुछ हुआ सो हुआ। अभी आगे सोचो क्या क्या करना है! यह है होली। दूसरा बाबा कहते हो ली यानी बाबा की हो गई। तो सभी ने ऐसी होली की होली मनाई, यानी बीती को जलाया खत्म किया? कोई भी जो पास्ट की बात है वो दिल में तो नहीं रखी है ना! तो जो हो चुकी उसको याद न करके भविष्य को याद करो और जो होली उससे भी जो गुण उठाया, उसमें जो अच्छाई थी, उनको तो दिल में याद रखेंगे ना! और जो फालतू (व्यर्थ) है, उनको एकदम बीती सो बीती, उसको सोचना भी नहीं है। फिर बाबा के संग का अविनाशी रंग लग जाता है। उसके हम बच्चे हैं ना! तो हम सबको बाबा के संग का रंग लगा हुआ है, यह रंग ऐसा पक्का है जो कोई मिटा नहीं सकता। तो बच्चे बाप के साथ कुछ तो खेलेंगे ना, तो यह रंग जो है, रंग भी बाप से खेलेंगे और किससे खेलेंगे! अच्छा, होली पर विशेष बाबा सभी बच्चों को टोली भी जरूर खिलाता है।

तो आज भी बाबा सभी बच्चों का मुख मीठा करा रहा है। देखो, आप सबके मुख में क्या पड़ा हुआ है? होली की टोली। तो सभी देखो मस्त होके खा रहे हैं ना! बाबा के साथ बैठे हैं, बाबा ही याद है और सबको खिला रहे हैं, खा रहे हैं। ऐसा मजा सदा अपने दिल में रखते रहो, कभी भी उदास हो, कोई भी बात हो तो और सब बातें भूल करके ऐसी ऐसी बातें याद करो जिससे कि जो पास्ट हुआ वह प्रेजेन्ट में भूल जाये और अच्छी अच्छी बातें याद करके मुस्करायें, हंसे, खेलें। तो ऐसी होली की सबको बहुत-बहुत मुबारक हो। बधाई हो। आप सब तो बाबा के हो लिये, तो सब मौज मनाने उड़ती कला में उड़ते रहो। अच्छा। ओम् शान्ति।